



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 493]
No. 493]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 6, 1978/कार्तिक 15, 1900
NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 6, 1978/KARTIKA 15, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
आवेश
नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1978

कां० प्रा० 635(अ)/15/आई डी आर ए/78 :—मैसर्स नवज्योत मिल्स लिमिटेड, कायी नामक औद्योगिक उपक्रम, अनुसूचित उद्योग, अर्थात् सूती वस्त्र उद्योग में लगा है;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ऐसी रीति से किया जा रहा है, जो अनुसूचित उद्योग तथा श्रोक हित के लिए प्रति अर्पायाकर है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कहते हुए, मामले की परिस्थितियों का पूरा तथा सम्पूर्ण ध्यान रखते के प्रयोजनार्थ व्यक्तियों के एक निकाय की नियुक्ति करती है, जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

श्री आर० महादेवन,
51-बी, एम०आई०जी० पलैड्स,
फर्स्ट फ्लोर
लेटिस ब्रिज रोड,
इन्द्रा नगर,
मद्रास-600020

अध्यक्ष

2. श्री ए०बी० मिर्जा,
उप-सचिव, गुजरात सरकार,
उद्योग, खान और विद्युत विभाग,
सचिवालय,
गांधीनगर। सदस्य

3. श्री ए० बी० सुते,
संयुक्त लेखा निदेशक,
क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय,
कम्पनी विधि बोर्ड,
एबरेस्ट, 100, मेरीन ड्राइव,
पोन्चर्ची मंजिल,
मुम्बई। सदस्य

4. श्री आर०ए० शाह,
सलाहकार (तकनीकी),
एन टी सी (गुजरात),
आश्रम मार्ग,
ग्रहमदाबाद। सदस्य

5. श्री धर्म देव,
निदेशक,
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय,
मुम्बई। सदस्य-सचिव

उपर्युक्त निकाय अपनी रिपोर्टें राजपत्र में इस आदेश की प्रकाशन के तारीख से छह सप्ताह की अवधि के भीतर दे देगा।

[सं० कां० 3/5/78-सी०यू०सी०
पी०सी० नायक, संयुक्त सचिव]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 6th November, 1978

S.O. 635(E)/15/IDRA/78.—Whereas the industrial undertaking known as Messrs Navjyot Mills Ltd., Kadi is engaged in a scheduled industry, namely, Cotton Textile Industry;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that the said industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of :—

1. Shri R. Mahadevan, Chairman
51, B.M.I.C. Flats,
(First Floor),
Lattice Bridge Road,
Indra Nagar,
Madras-600020.

2. Shri A.V. Mirza, Member
Deputy Secretary to the
Govt. of Gujarat, Industries,
Mines and Power Department,
Sachivalaya, Gandhinagar.

3. Shri A.B. Surte, Member
Joint Director of Accounts
in the Office of the Regional Director,
Company Law Board, Everest, 100,
Marine Drive, 5th Floor, Bombay.

4. Shri R.A. Shah, Member
Adviser (Technical),
N.T.C. (Gujarat),
Ashram Road, Ahmedabad.

5. Shri Dharam Dev, Member-Secretary
Director,
Office of the Textile
Commissioner,
Bombay.

The above body shall submit its report within a period of six weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 3(5)/78-CUS]
P.C. NAYAK, Joint Secy.